मिशन शिक्षण संवाद

नशा मुक्ति अभियान गीत

संकलन

काव्यांजलि टीम

मिशन शिक्षण संवाद

मिशन शिक्षण संवाद

नशा-मुक्ति अभियान

तर्ज-आओ बच्चों तुम्हें दिखाएं

01

आओ भैया नशा मुक्ति अभियान में,
मिल सब साथ दो।
जीवन है बहुमूल्य ये जानो,
नशा को तुम सब त्याग दो।।
नशा दो त्याग,नशा दो त्याग..

नशा व्यक्तिगत कमजोरी है,
और बुराई सामाजिक।
नशा करे इंसान यदि ना,
इसमें ही है उसका हित।।
इंसान को निर्बल कर दे,
हर लेती है उसका चित्त।
सामाजिक क्षति परिवार की,
होती रहती है निश्चित।।
बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की,
तरफ सभी तुम ध्यान दो।
जीवन है बहुमूल्य ये जानो,
नशा को तुम सब त्याग दो।।
नशा दो त्याग,नशा दो त्याग..

अरविन्द कुमार सिंह (स0अ0)
प्रा0 वि0 धवकलगंज
बड़ागाँव, वाराणसी

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

नशा-मुक्ति अभियान

तर्ज-मिलो न तुम,हम घबरायें

सिगरेट न पीना,शराब न पीना,
गुटखा न खाना,है ये बड़ी खराबी,
तुम्हें समझा दिया है-२

नशे मे डर है, बड़ा जहर है,
जीते जी बर्बादी,
तुम्हें समझा दिया है - 2

सिगरेट न पीना भैया,
जलेगा कलेजा बात बात में।
बाद मे होता अल्सर ,
नींद न आती रात रात में।
भरी जवानी चौपट हो गयी,
हजम न खाना पानी।
तुम्हें समझा दिया है - 2

02

गुटखा न खाना भैया,
छाले पड़ेंगे तेरे ओंठ में।
गालों मे होगा कैंसर,
तबियत बिगड़ेगी दिन-रात में।
शर्म लगेगी,बात न बनेगी,
मुश्किल होगा जीना।
तुम्हें समझा दिया है-2

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान।

स्मिता वैश्य (स.अ)
उ0प्रा0वि0 मकू का पुर्वा
भाग्यनगर, औरैया

मिशन शिक्षण संवाद

नशा-मुक्ति अभियान

तर्ज़-लिखे जो खत तुझे

नशा जो तुम करो,
तो सोचो साथ में।
कहीं ले ना लिया,
जहर को हाथ में।

जाग लो तुम अभी,
बर्बाद मत करो।
जो संभलें ना तो,
भटके हुए फिरो।
नशा जो तुम करो.....

बीड़ी,सिगरेट को छोड़ों,
नशा तुम को है खा जाता।
कलेष रहती घरों में भी,
शेष कुछ भी ना बच पाता।
जीवन अनमोल है सबका,
नशे से छोड़ दो नाता।
नशा जो तुम करो,
तो सोचो साथ में......

03

प्रतिभा चौहान (स०अ०)
प्रा०वि० गोपालपुर
डिलारी, मुरादाबाद

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

नशा-मुक्ति अभियान

तर्ज़-अँखियों के झरोखों से

नशा रोज करने से,
मैने देखा बर्बादी रे,
जीवन नर्क नजर आए,
बेड़ा गर्क नजर आए।
नशा बंद करके देखो,
जरा इसे दूर करके देखो,
जिंदगी ही सुधर जाए।।
नशा.......

नशा करने से जीवन अब खत्म होने लगा है,
युवा पीढ़ी हाय निर्मल मन खोने लगा है।
नशे की लत में सब बैठे भूल के,
परिवार की परवाह नहीं भूल से।।
नशा......

04

जीती माँ बेटा देख के,पत्नी पति देख के,
जब दोनों ही बिगड़ जाएं दुनिया कहाँ पे।
दिन रात दुआ मांगे औरत घर वास्ते,
परिवार में सब चले बस सही रास्ते।।
नशा.....

रीना (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय गिदहा
क्षेत्र-सदर,महराजगंज

मिशन शिक्षण संवाद

नशा-मुक्ति अभियान

तर्ज - छुप गए सारे नजारे

नशा के सेवन से,
दुनिया बर्बाद हो गई ।
कुछ लोग हुए बीमार,
कुछ की मौत हो गई ॥

शराब,बीड़ी,सिगरेट न पीना,
हो जाये मुश्किल जीना -2
हानिकारक पदार्थ होते ये सभी,
इनका उपभोग भाई न करना कभी॥

देश में शांति व्यवस्था
बिल्कुल भंग हो गई।
स्वास्थ्य बिगड़ा तो जाना,
किडनी फ़ेल हो गई ।।

नशे की आदत से बिगड़े हालत,
खत्म हो जाती है ताकत - 2
परिवार में झगड़े होते हैं।
ऐसे व्यक्ति हमेशा रोते हैं॥

जागरूकता से समझो,
बुराई दूर हो गई ।
हमको दूर व्यसन से रहना
शर्त मन्जूर हो गई ।।

05

मन्जू शर्मा स०अ०
प्रा०वि० नगला जगराम
सादाबाद,हाथरस

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

नशा-मुक्ति अभियान

तर्ज़-कभी अलविदा न कहना

तुमको भी है खबर,
मुझको को भी है पता।
कर रहा है नशा,
सबको ही बर्बाद आहिस्ता।
दूर रहकर ही तुम इससे,
खुद को सदा खुशहाल रखना।
कभी नशा ना करना-३

06

जितनी थी खुशियाँ,
सब खो चुकी हैं।
बस इक ग़म हैं कि,
नशा जाता नहीं है।
समझाकर देखो,
बहलाकर देखो।
नशा है ये कैसे,जाता नहीं है,
जाता नहीं है।
आज रोये है कि,बच्चें तुम्हारे।
आ जाओ घर ये पुकारें,
अब नशा न करना।।
कभी नशा ना करना-3

वन्दना यादव"गज़ल"
अभि०प्रा०वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर

मिशन शिक्षण संवाद

नशा-मुक्ति अभियान

तर्ज़-झिलमिल सितारों का आंगन होगा

जीवन का अभिशाप नशा।
कितनी होती बुरी दशा।।
इससे धन तो जाता ही है,
और स्वास्थ्य भी है जाता।
नशाखोर प्राणी को जग में,
निन्दित माना जाता।
फिसल-फिसल कर गिरने पर,
सारा लोक हँसा।

जब मानव को किसी नशे की,
आदत पड़ जाती है।
तो समझो उनकी बरबादी,
निश्चित ही आ जाती है।
रोती पत्नी, नंगे बच्चे,
कैसा कठिन शिकंजा कसा।

07

अगर बचाना है जीवन को,
गंदी आदत छोड़ो।
कुछ जन हित के कार्यो से,
भी तन-मन धन को जोड़ो।
देख रहे हो विपदजाल में,
अपना भारत फँसा।

प्रवीणा दीक्षित
K.G.B.V.,कासगंज

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

नशा-मुक्ति अभियान

तर्ज़-छोड़ो कल की बातें

छोड़ो गंदी आदतें, चाहे कितनी पुरानी,
इच्छा शक्ति से लिख डालो अपनी नई कहानी।
हम हिन्दुस्तानी, हमने है ठानी.....

घर रहकर गलत संगत को तोड़ चुके हैं,
जुआ,शराब, सिगरेट को छोड़ चुके हैं।
चाहे कितना भी बुलाए आज ज़माना,
गलत आदतों से हम नाता तोड़ चुके हैं।
हमने जाना, हमने माना, नई सोच अपनानी।।
हम हिन्दुस्तानी, हमने है ठानी.....

08

आओ अच्छी बातों को जीवन में अपनाएं,
खुद आदर्श बनकर औरों को भी समझाएं।
राम से सीखें कुछ, कुछ गौतम से अपनाएं,
सद्व्यवहार से जीवन अपना सफल बनाएँ।
हमने जाना, हमने माना, नई सोच अपनानी।।
हम हिन्दुस्तानी, हमने है ठानी....

ज्योति चौधरी (स०अ)
प्रा०वि० इस्लामनगर
वि०क्षे० व जनपद-मुरादाबाद

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

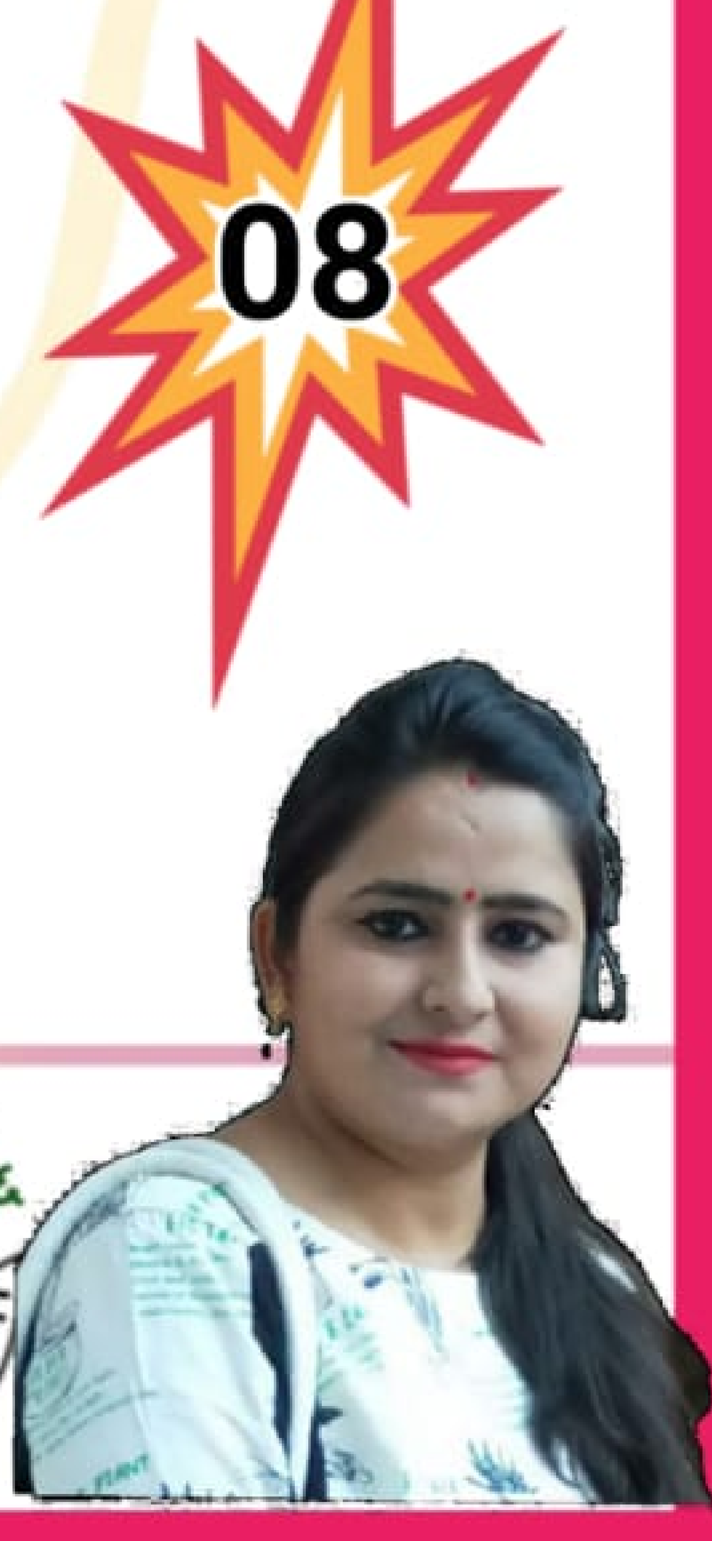

मिशन शिक्षण संवाद

नशा-मुक्ति अभियान

तर्ज़- देख तेरे इंसान की हालत

नशे से बचने को अब छेड़ें,
नशा मुक्ति अभियान।
नशा तो ले लेता है जान।।-2

करके नशा क्या हालत हो गई,
है तेरी इंसान।
नशा तो ले लेता है जान।।- 2

अच्छा बुरा कुछ समझ ना आता,
नशे की बुरी ये लत जो लगाता।
उपदेश किसी का नहीं सुहाता,
नशे में जन पागल हो जाता।
मिलता मान कहीं ना उसको,
खो देता सम्मान।
नशा तो ले लेता है जान।। -2

कोई नशा नहीं है अच्छा,
बीड़ी, सिगरेट, शराब, गुटखा,
आज कसम तू दिल से खा ले,
कुछ भी हो इन्हें हाथ ना लगा,
नहीं तो दुनिया में पग-पग पर,
पाएगा अपमान।
नशा तो ले लेता है जान।।-2

नशे से बचने को अब छेड़े,
नशा मुक्ति अभियान,
नशा तो ले लेता है जान।।

09

रचना- पूनम गुप्ता(स.अ.)
प्रा० वि०धनीपुर (अंग्रेजी माध्यम)
धनीपुर, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

नशा-मुक्ति अभियान

तर्ज-दया कर दान भक्ति का हमें परमात्मा देना

नशे का सेवन करके ना,
जीवन बर्बाद कर देना।
नशा मुक्त हो भारत,
यह संकल्प है लेना।।

ज़िन्दगी चुनो,
तम्बाकू नहीं.

नशा एक ऐसी बुराई है,
जो जीवन बर्बाद करती है।
जहर यह धीमा धीमा है,
शरीर का नाश करती है।।

बीड़ी सिगरेट और तंबाकू,
और हो या शराब।
इनके सेवन से जीवन,
हो जाता है खराब।।

बच्चों की बर्बादी होती,
घर में बीबी रोती।
नशे में कोई जब होता है,
तो सुध बुध उसकी खोती।।

जीवन अपना है अनमोल,
बात लो अब यह जान।
नशा न करना,न करने देना,
अब लो मन में ठान।।

10

रचना- शहनाज बानो(स०अ०)
पू० मा० वि० भौरी
मानिकपुर, चित्रकूट

मिशन शिक्षण संवाद

नशा-मुक्ति अभियान

तर्ज़-घर से निकलते ही

चंगुल नशा का ये,
मुक्ति न पाओगे।
फंस गए इसमें अगर,
दलदल बुराई का।
शमा बर्बादी का,
चाहे तो जाओ जिधर।
होश न आये, समझ कुछ न आये,
बहकती डगर में, फंसते ही जाये।
रोग शरीर का बढ़ता ही जाये,
स्वस्थ शरीर को अस्वस्थ बनाये।
नशा मुक्ति करना है, आगे बढ़ते जाना है,
सबको है देना खबर।
चंगुल.........

11

खुद को बचा लो,
परिवार सम्भाल लो।
देश के लिए ये,
बीड़ा उठा लो।
फैली ये कैसी बुराई यहाँ है,
हर तरफ देखो दुखों का धुआँ है।
धुआँ के सिमटते ही,
सूरज निकलते ही
सुखमय होगा सफर।
चंगुल.....

आकांक्षा मिश्रा
प्रा०वि०सिकन्दरपुर
सुरसा,हरदोई

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

नशा-मुक्ति अभियान

तर्ज़-एक मुलाकात जरूरी है सनम

साँस आती है साँस जाती है,
हर घड़ी रहता है साया मौत का।
ज़िंदगी घुट घुट के जीता है नशेड़ी,
लुटा दिया धन कमाई का।
नशामुक्ति के लिए सुन भी लो तुम।
स्वस्थ शरीर बना भी लो तुम।।
नशे ने है सब को बर्बाद किया,
जीना है देखो दुश्वार किया।
नशे में फंसे लोगों का बड़ा ही बुरा हाल है,
ये करते है क्या उन्हें कुछ न ख्याल है।
स्वस्थ शरीर..................
नशे न सबका बुरा हाल किया,
युवाओं का जीना मुहाल किया।
उबरना है इससे बड़ा ही बवाल है,
जहन में देखो ये सबके सवाल है।
स्वस्थ शरीर..................

12

सुधांशु श्रीवास्तव
प्रा०वि०मणिपुर
ऐरायां, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

नशा-मुक्ति अभियान

तर्ज़-जाने क्यों लोग मोहब्बत

इस शराब ने इस बीड़ी ने
कितने घर लूटे, कितने घर फूँके,
जाने क्यों लोग नशा किया करते हैं।
नशे के बदले में खुद को,
बर्बाद किया करते हैं।।

ज़िल्लत मिलती है, इज़्ज़त नहीं मिलती,
ज़िंदगी की राहों में ,मंजिल नहीं मिलती।
परिवार टूट जाता है, ख़फ़ा होता है,
कोई नफा नहीं बस नुकसान होता है।।
वो क्या जाने जो नशा करते हैं,
हर रिश्ते को बदनाम करते हैं।
ले ले क़र्ज़ खुद को तबाह किया करते हैं।
जाने क्यों ....

नशा ही घर को नर्क बनाता है,
सुख-चैन मन का खो जाता है।
ज़िंदगी अभिशाप होती है,
न कोई ख़ुशी न आस होती है।।
न दिमाग पर कोई ज़ोर चलता है,
हर वक़्त पीने को दिल मचलता है।
जीते जी मरने की दुआ ,किया करते हैं
जाने क्यों....

13

रूखसाना बानो (स०अ०)
पूर्व मा०वि० अहरौरा
जमालपुर, मिर्ज़ापुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

नशा-मुक्ति अभियान

तर्ज़- मिलो ना तुम तो हम घबराएं

14

बीड़ी छोड़ो गुटखा छोड़ो,
छोड़ो तुम शराब,
नशा होता है खराब।

पैसा तो जाएगा सेहत भी जाएगी साथ में,
हाँ साथ में।
बीमारी लग जाएगी तेरे कोमल गात में
हाँ गात में।
अल्सर होगा, कैंसर होगा,
होगा तू बर्बाद।
नशा होता है खराब।।

खुद तो बिगड़ेगा बिगड़ जाएगा यह परिवार भी,
हाँ परिवार भी।
बच्चे पढ़ ना पाएंगे हो ना पाएगा सुधार भी,
हाँ सुधार भी।
बीवी बच्चे सब रोएंगे,
करेगा तू फरियाद।
नशा होता है खराब।।

हम सबको मिलकर अब यह कदम उठाना है,
हाँ उठाना है।
भारत देश को नशे से मुक्त कराना है,
हाँ कराना है।
नशे की आदत है महामारी,
इसका करेंगे नाश।
नशा होता है बहुत खराब।।

हेमलता गुप्ता (स० अ०)
प्रा०वि०मुकंदपुर
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

नशा-मुक्ति अभियान

तर्ज़-बहुत आई गई यादें

बहुत आई नशे की लत,
मगर इस बार तुम्हीं भगाना।
इरादे मन में छूने के,
नहीं लाना नहीं लाना।।

कोई तो राह वो होगी,
जो दारू छोड़ना चाहती है।
करोगे ज़िद जो खाने की,
वो गन्दी ज़िद में आती है।
तुम छोड़ोगे इसे दिल से,
ये मन भी तुम ही बनाना।।
बहुत आई....

जान जाने का डर,
और बदनामी का डर क्या करें।
कुछ न आये समझ,
पर बुराई को कैसे कहे।
तुम छोड़ोगे इसे दिल से,
ये मन भी तुम ही बनाना।।
बहुत आई.....

15

आयुषी अग्रवाल (स०अ०)
कम्पोजिट वि० शेखूपुर खास
कुन्दरकी, मुरादाबाद

मिशन शिक्षण संवाद

नशा-मुक्ति अभियान

तर्ज़-एक दिन बिक जाएगा

बंदे तू जान ले जिंदगी अनमोल,
नशा नाश की जड़ है ,
तू अभी नशे को छोड़।
अपनाकर सात्विकता को,
बन जा सबका मीत,
नशे की कहानी छोड़ जिंदगी अनमोल।

बंदे तू जान ले जिंदगी अनमोल,
नशा नाश की जड़ है,
तू अभी नशे को छोड़।

16

नशा जीवन में कितनी परेशानी बढ़ाएं,
इसके कारण सच्चा साथी छूट जाए।
ये तंगी ये कलह जीने की मजबूरी,
फिर काहे को ना नशे को छोड़ पाएं।
अच्छे दिन आने में ना देर लगती है,
नशे को छोड़ कर जीवन में रस घोल।

बंदे तू जान ले जिंदगी अनमोल,
नशा नाश की जड़ है ,
तू अभी नशे को छोड़।

सुमन पांडेय (प्र०अ०)
प्रा०वि० टिकरी मनौटी
खजुहा, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

नशा-मुक्ति अभियान

**तर्ज-
बुंदेलखंडी
आल्हा**

करे मुख मलीन काया निर्बल सी।
दे राजा को भी रंक बनाय।।
गांजा, चरस का सेवन करके।
दारु,सिगरेट रहे उड़ाय।।

तम्बाकू, गुटखा और बीड़ी।
है कैंसर का खुला अह्वान।।
धुएं मे फूँक रहे जिन्दगानी।
गुर्दों को भी रहे गलाय।।

गहने तक बिक गये बीवी के।
बिक गया घर का सब सामान।।
एक बुरी आदत के कारन।
जिएं ठोकरों में संतान।।

घातक लत होती है नशे की।
तिल-तिल कर मरता इंसान।।
आदत बुरी नशे की छोड़ो।
छेड़ो नशा-मुक्ति अभियान।।

17

नशा करेंगे न करने देंगे।
अपना हो यह लक्ष्य महान।।

रचना-पुष्पा पटेल(प्र०अ०)
प्रा०वि० संग्रामपुर
क्षेत्र व जनपद-चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान,
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

नशा-मुक्ति अभियान

तर्ज़-मैं तेरे इश्क़ में मर न जाऊं कहीं

मत करो कोई तंबाकू का सेवन,
याद रखो ये तो है एक व्यसन।
मत करो कोई......
इससे होगा स्वास्थ्य खराब जान लें-2
जीवन में कर लें इतना तो याद रे-2
बेक़दार, बेख़बर मान जा ज़िद ना कर,
जल कर इस आग में होते कितने भस्म।
याद रखो ये तो है एक व्यसन॥
मत करो कोई.....

18

खाँसी, दमा व कैंसर तुम पाओगे-2
बीड़ी, सिगरेट, सिगार से मर जाओगे-2
वक्त है, सुधर जा ओ नौजवां,
मिलके करना होगा इसे जड़ से ख़तम।
याद रखो ये तो है एक व्यसन।।
मत करो कोई.....

गीता यादव(प्र०अ०)
प्रा०वि०मुरारपुर
देवमई, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

नशा-मुक्ति अभियान

तर्ज़-तुझे सूरज कहूँ या चंदा

नशा छोड़ मानव तू,
यह समय न मिले दुबारा।
जीवन रक्षक पेय पीकर,
नशा-मुक्ति पाए जग सारा।।

निज स्वार्थ आदत बनकर,
यह लत सुख नष्ट करेगी।
प्रकृति शरीर को मानव,
हो कुपित रुग्ण कर देगी।।
नहीं सुलभ समय जीवन यह,
प्रकृति में मिले न दुबारा।
नशामुक्ति जीवन बदले,
खुश हो जाए जग सारा।।

आदतें नशे की छोड़ो,
यह बहुत बुरी होती हैं।
माँ-पिता पत्नी संतति को,
भी दुःखी बहुत करती हैं।।
रहें स्वस्थ नशा सभी त्यागें,
सभ्य समाज ने भी दुत्कारा।।
डगमग पग हो जाऐंगे,
सही राह न मिले दुबारा।।

19

नैमिष शर्मा (स०अ०)
परि०संवि० विद्यालय–तेहरा
मथुरा

मिशन शिक्षण संवाद

नशा-मुक्ति अभियान

तर्ज़- फिर भी दिल है हिंदुस्तानी

नशे की आदतों को तुम छोड़ो,
मत कर इतनी मनमानी।
दौलत शोहरत सब खो दोगे,
होगी शारीरिक हानि।।
अपने भी ना इज्जत देंगे,
होगी बहुत बदनामी।
अभी ना समझे इसके दोषों को,
फिर होगी हैरानी।।
मत बन दुनिया नशे की दीवानी-4

छोड़ो नशे को, बनो सात्विक प्राणी,
सदा मुख से बोलो मीठी वाणी।
प्यार मिलेगा और इज्जत भी,
अपनों का साथ मिलेगा
और खुशियां भी।

नशे को अब न हाथ लगाएं,
सबने मन में ठानी।
दौलत शोहरत सब खो दोगे,
होगी शारीरिक हानि।।
अपने भी ना इज्जत देंगे,
होगी बहुत बदनामी।
अभी ना समझे इसके दोषों को,
फिर होगी हैरानी।।
मत बन दुनिया नशे की दीवानी-4

20

रचना-रीनू पाल(स०अ०)
प्रा०वि० दिलवालपुर
देवमई, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान,
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

रचनाकारों की सूची

1- अरविन्द कुमार सिंह,वाराणसी
2-स्मिता वैश्य,औरैया
3-प्रतिभा चौहान,मुरादाबाद
4-रीना जी,महराजगंज
5-मन्जू शर्मा,हाथरस
6-वन्दना यादव,जौनपुर
7-प्रवीणा दीक्षित,कासगंज
8-ज्योति चौधरी,मुरादाबाद
9-पूनम गुप्ता,अलीगढ़
10-शहनाज बानो,चित्रकूट
11-आकांक्षा मिश्रा,हरदोई
12-सुधांशु श्रीवास्तव,फतेहपुर
13-रूखसाना बानो,मिर्जापुर
14-हेमलता गुप्ता,अलीगढ़
15-आयुषी अग्रवाल, मुरादाबाद
16-सुमन पांडेय,फतेहपुर
17- पुष्पा पटेल,चित्रकूट
18-गीता यादव,फतेहपुर
19-नैमिष शर्मा,मथुरा
20- रीनू पाल,फतेहपुर

टेक्निकल टीम

- आर.के.शर्मा,चित्रकूट
- ज्योति कुमारी,भदोही
- पूजा सचान,फर्रुखाबाद
- साकेत बिहारी शुक्ल,चित्रकूट
- नवीन पोरवाल,औरैया
- प्रांजल सक्सेना,बरेली
- आशीष शुक्ल,हरदोई
- शिवम सिंह,जौनपुर